गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2009-2011

मासिक
गोलालारीय दर्शन

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास
इन्दौर

www.golalariya.com
golalariya_darshan@yahoo.co.in

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 2 अंक : 10 पृष्ठ संख्या : 8 माह – मार्च 2011 मूल्य – 5 रु. प्रति अंक (द्विवार्षिक शुल्क : 100 रु.)

श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास भूमि का योजना स्थल का मानचित्र

अतिथि सम्पादक की कलम से...

गर्व है हम जैन है

उच्च कुल में जन्म लेने से ही नहीं और भी बहुत कुछ है - कुल भारतीय आबादी का 1% होने के बाद भी विश्व का सबसे धनवान समुदाय ।

✻ कुल आयकर का 24% भुगतान जैनों से ✻ शेयर निवेशक 46% जैन ✻ भारत की कुल संपत्ति का 28% जैनों के पास ✻ धर्म एवं मानव प्रेम (चैरिटी) में 62% जैनों का समर्पण ✻ भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में 25% योगदान जैनों का । इसके अलावा 16000 गौशालाओं में से 12000 गौशालाएं जैनों द्वारा संचालित । पूरे भारत में 50000 जैन मंदिर जिसमें अधिकांश में धर्मशालाएं / ज्यादातर समाचर पत्रों के मालिक जैन । 2001 की जनगणना में शैक्षणिक स्तर में सबसे ऊपर जैन / महिलाओं में भी साक्षरता का प्रतिशत जैनों से सबसे ज्यादा। ये आंकड़े तब के है जब अधिकांश लोगो ने अपना गौत्र लिखवाया 'जैन' नहीं । आजादी के पश्चात प्रथमबार जून 2011 में जाति आधारित जनगणना होना है।

इस बार भारत सरकार ने जनगणना प्रपत्र में जैन को अलग से जगह दी है इसके लिए प्रश्न क्रमांक 7 के कालम नं. 6 में जैन लिखना है। हम सभी को सर्तकता से पूरी जानकारी देना है ताकि तस्वीर स्पष्ट रुप से उभर कर सामने आ सके। जैनियों के बराबर अन्य समुदाय के लोगों को शासन की ओर से अनेको सुविधाएं और लाभ प्राप्त है लेकिन हम अंतिम पंक्ति में क्यों खड़े है ?

हमारे हक की सुविधाएं हमें प्राप्त होना चाहिए, इसके लिए हमें सक्षम होकर उभरना ही होगा। विचारणीय है कि हमारी तस्वीर स्पष्ट कैसे उभरें - बहुत कुछ अभी छुपा हुआ है जिसे उजागर करना बहुत जरुरी है। अपने अस्तित्व और अस्मिता के लिए आप सुधी पाठकों का सहयोग अपेक्षित है।

इसके पूर्व भी राष्ट्रीय व शहर स्तर पर जनगणना का कार्य समाज द्वारा करा गया है उनमें कई जानकारियों का समावेश न होने से वे अधिक उपयोगी नहीं रही। मेरी मंशा है कि बहुउद्देशीय जानकारियां और आंकड़े हमारी अपनी समाज के पास भी हो, ताकि हम जान सके कि सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक स्तर पर हम कहाँ है । हमें अपने स्तर को सुधारने के लिए किस क्षेत्र में कितना कार्य करना है, **इसके लिए इसी अंक के पेज क्रं. 05 पर प्रकाशित जनगणना फार्म में आप अपने परिवार की संपूर्ण जानकारियां अवश्य भरें।** जिसके आधार पर हम अपने समाज के डाक्टर, इंजीनियर, प्रबंधक, उच्च पदस्थ लोग, विशेष क्षेत्रों में कार्यरत प्रतिभाएं व व्यापाररत समाजजनों, विदेशों में स्थाई/अस्थाई रुप से निवास कर पढ़ाई या कार्य कर रहे परिवारों की जानकारी प्राप्त कर सकते है। कितने परिवारों के पास निज मकान है, कितने परिवारों के पास कौनसी वाहन सुविधाएं है, परिवार में निःशक्तजन की जानकारी के साथ, अन्य विशेष क्षेत्र में आपका योगदान है तो उसका उल्लेख भी अवश्य करें।

आपके द्वारा भरी गई सही जानकारी के आधार पर ही हम अपने समाज के शैक्षणिक व आर्थिक स्तर का निर्धारण कर पायेंगे। हम आपसे अपेक्षा रखते है कि सही जानकारी देकर आप अपने समाज की वास्तविक छबि को सुदृढ़ बनाने में सहयोग प्रदान कर गोलालारीय समाज का मान अवश्य ही बढ़ायेंगे।

- साधना जैन, उद्घोषिका आकाशवाणी, भोपाल

प्रगति की ओर एक कदम ....

संघे शक्ति, कलौ युगे कलयुग में संगठन को सर्वोच्च शक्ति माना गया है । यह सूक्ति समान रूप से सभी क्षेत्रों पर लागू होती है । संगठन का कार्य होता है समाज का सतत विकास कर सदस्यों के हितार्थ योजना का निर्माण कर समाजजनों के सहयोग से उन्हें पूर्ण करना जो संगठन इस पवित्र उद्देश्य के साथ कार्य करते है वे एक मिसाल बन जाते है और संगठन का प्रत्येक सदस्य इन योजनाओं का आधार स्तंभ बनकर समाज प्रगति में सहभागी होकर गौरवान्वित होता है। आज से लगभग 25–30 वर्ष पूर्व वरिष्ठ सदस्यों ने समाज को एकजुट कर 64 न्यू देवास रोड़ पर सांस्कृतिक भवन व मंदिर का निर्माण कराया जो समाजजनों के लिए काफी उपयोगी सिद्ध हो रहा है। विगत कई वर्षो से समाज की कार्यकारिणी व समाज से जुडे प्रत्येक सदस्य के मन में यह बात हर समय उठती थी कि काश हमारे पास एक ऐसा स्थान हो जहाँ हम पूर्ण सुविधाओं के साथ सम्पूर्ण समाज के लिए खुले दिल से कार्यक्रम का आयोजन कर सकें । जहाँ स्थान की कमी हमारे कार्यक्रम के लिए बाधा न बने । एक ऐसा स्थान जो समाजजनों से अधिक दूर ना हो और जहाँ आवागमन के साधन सुलभ रूप से प्राप्त हो सके एवं इन्दौर या अन्य शहरों से पधारे व्यक्तियों को कोई भी परेशानी ना उठानी पडे । इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रख कर समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने एम.आर.–10 के पास एक बीघा (27225 स्के. फीट) जमीन खरीद ली ।

सुपर कोरिडोर के पास शेरेटन होटल के नजदीक 27225 वर्गफीट की इस भूमि के आसपास लगभग 150 निजी कॉलोनियां के निर्माण की योजनाएँ है । यहां पर अनेको इंजीनियरिंग कॉलेज है और कई प्रस्तावित है। एक किलो मीटर की दूरी पर प्रसिद्ध अरबिंदो हॉस्पिटल है एयरपोर्ट मात्र 6 कि.मी. की दूरी पर है । एक किलोमीटर के घेरे में प्रस्तावित बस स्टेण्ड और रेल्वे स्टेशन की योजना इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है । मध्य भारत की व्यवसायिक राजधानी के रूप में विख्यात यह शहर निरंतर उन्नति की राह पर है । आई.आई.एम. व आई.टी.आई. सहित कई प्रसिद्ध कॉलेज शहर की शान है शिक्षा व व्यवसाय के क्षेत्र में इन्दौर ने अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है । बुन्देलखण्ड और आस–पास के गांव जहाँ अपनी समाज के काफी परिवार निवास करते है उनके बच्चों की शिक्षा इत्यादि के लिए यह योजना सर्वाधिक उपयोगी सिद्ध होगी । इन्दौर का वातावरण भी जैन समुदाय के लिए काफी अनुकूल है लगभग 8000 दिगम्बर जैन परिवारों के इस शहर में 80 जिनालय है व गोलालारीय समाज भी अनेकों सामाजिक व धार्मिक गतिविधियां संचालित कर सम्रग दिगम्बर जैन समाज के प्रमुख अंग के रूप में सदैव सहयोगी व सहभागी रहता है ।

इन्दौर समाजजनों ने अपने अथक प्रयासों से इस बहुमूल्य भूखण्ड का भुगतान कर समाज के नाम रजिस्ट्री करा ली है । यहां पर सम्पूर्ण गोलालारीय समाज द्वारा भव्य जिनालय, संतनिवास, छात्रावास, जैन औषाधालय, वाचनालय के साथ मांगलिक कार्यक्रमों के लिए सर्वसुविधा युक्त आवासीय परिसर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है ।

विस्तृत कार्य योजना बनाई जा रही है । योजना की स्वीकृति शासन से प्राप्त होने के उपरांत भारतवर्ष के सम्पूर्ण गोलालारीय परिवारों के समक्ष रख आर्थिक सहयोग प्राप्त कर इस योजना को मूर्तरुप देने प्रदान करना ही हमारा लक्ष्य है।

''पानी बढ़े नाव में, घर में बाढ़े दाम, दोऊ हाथ उलीचिये, यही सयानो काम ।''

संत कबीरदास की इन पंक्तियों को चरितार्थ कर इस भूखंड को क्रय करने में कई समाजजनों ने दिल खोलकर समर्थन देते हुए आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। उन सभी समाजजनों का **ट्रस्ट कार्यकारिणी** सदैव हृदय से आभारी है। जिन्होंने इस योजना को साकार करने में हमारा संबल बढ़ाया । शास्त्रों में दान के विषय पर अनेकों प्रसंग है, यहां एक प्रसंग याद रखा जाना चाहिए कि कुछ धनाढ्य व्यक्ति ऐसे होते है जो आर्थिक रूप से संपन्न होने पर भी अपने अर्थ (धन) का उपयोग नही कर पाते ? इसका कारण क्या है ? दान के मर्म को समझाते हुए इसका उत्तर इस प्रकार से वर्णित है कि जो व्यक्ति अनिच्छा से किसी दबाव में दान देते है और दान धर्म के निर्वाह पालन में कंजूसी करते है तथा जिन्हें अपने दिए दान पर बाद में पश्चाताप होता है वे अपने अगले जन्म में उस संपदा का उपयोग नही कर पाते है । वे मात्र एक सैनिक की भांती अपनी संपत्ति की रक्षा कर उसकी वृद्धि में ही लगे रहते है और जो धनवान व्यक्ति दान और परोपकार के कार्य करने में तत्पर रहता है वह अगले जन्म में अधिक संपत्ति का मालिक न होने पर भी सुख का आनंदपूर्वक उपयोग करने का पात्र होता है ।

इसी आशा के साथ अपने समाज के प्रथम बहुआयामी योजना हेतु किया गया दान समाजजनों के हितार्थ सदैव उपयोगी होकर योजना को मूर्तरूप देने में सहयोगी होगा । इस योजना की प्रारंभिक जानकारी से उत्साहित होकर कई शहरों के वरिष्ठजनों से आर्थिक सहयोग के आश्वासन प्राप्त हुए हैं। जो हमें हमारी मंजिल तक पहुंचाने में काफी सहायक सिद्ध होंगे । समाज के संरक्षक श्री धरमचंदजी, श्री खुशालचंदजी, श्री रमेशचंदजी, श्री राजेन्द्रकुमारजी एवं इंजी. आनंदकुमारजी जैन के मार्गदर्शन में समाज के अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी, सचिव श्री बाहुबलीजी एवं कोषाध्यक्ष श्री अशोक कुमार जैन के साथ कार्यकारिणी के विशेष प्रयासों से यह योजना मूर्तरुप पाने के लिए प्रगति की ओर अग्रसर है ।

परामर्श प्रमुख

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत

डॉ. कपूरचंद जैन खतौली

प्रधान संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972

प्रबंध संपादक
खुशालचन्द जैन, 9302123879

संयोजक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136
बाहुबली जैन, 9827247847

सह संपादक
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013

क्षेत्रीय संवाददाता

विदिशा	श्री कन्छेदीलालजी जैन 9229670194
गंजबासौदा	श्री शांतिलालजी जैन 9425149105
भिण्ड	श्री राजकुमारजी जैन 9425130917
ग्वालियर	श्री नेमीचंदजी जैन 07512324409 शाह राजमलजी जैन 9425364407
भोपाल	श्री प्रदीपकुमार जैन LIC 9826011191
ललितपुर	श्री शैलेषकुमार जैन 'पिन्टू' 9795211740
पन्ना	श्री अभिषेक जैन 'अभि' 9407348790 डॉ. सन्मत जैन 9425167985

शिरोमणी संरक्षक
श्री चम्पालालजी नोहरकला, ललितपुर
श्री अशोककुमारजी, भोपाल,
श्री रमेशचन्द्रजी, इन्दौर

परम संरक्षक
श्री खुशालचंदजी, इन्दौर

संरक्षक
श्री दीपचंदजी, रायसेन
श्री शिखरचंदजी रचना नगर, भोपाल
डॉ. एम.एल. जैन, नेहरु नगर, भोपाल
श्री नेमीचंद जैन, गंजबासौदा
श्री शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा

विशेष सहयोगी
श्री राजकुमार जैन, श्री ए.एल.फणीश, विदिशा,
श्री सुखनंदन जैन अहमदाबाद
श्री विकास जैन सतना
श्री हेमंतकुमार जैन, नागपुर
श्रीमती पुष्पलता जैन (जीजीबाई) छिंदवाड़ा

आजीवन सदस्य
शाह राजमलजी (लश्कर), ग्वालियर
श्री प्रदीपकुमार जैन (LIC),
डॉ. संजय जैन, भोपाल
श्री संजय कुमार जैन, अशोकनगर, भोपाल
श्री धरमचंदजी, न्यू देवास रोड़
श्री इन्द्रकुमार जैन, नन्दानगर, इन्दौर
श्री वीरेन्द्रकुमार पवैया, रायसेन,
श्री अखिलेश जैन, आदित्यपुरम

विदिशा गोलालारीय समाज के वरिष्टजन व विशिष्टजनों का सम्मान एवं कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न।

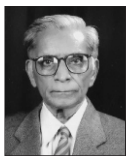
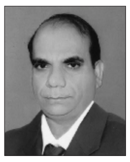

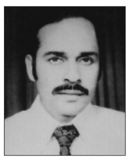

विदिशा – कन्छेदीलाल जैन । दि. 26 फरवरी 2011 को गोलालारीय समाज की सामान्य सभा में श्री महेन्द्रकुमार जैन 'निकास' की अध्यक्षता में समाज के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान, शाल, श्रीफल भेंट एवं तिलक लगाकर किया गया। श्री पं. रतनचंदजी जैन, श्री मूलचंदजी जैन 'जमालपुर', श्री खेमचंदजी जैन । इसके पश्चात समाज के विशिष्ट महानुभावों का भी सम्मान किया गया। श्री लल्लूलाल जैन, जिला शा. अधिवक्ता, श्री प्रकाशचंद जैन चौधरी अध्यक्ष सकल दि. जैन समाज विदिशा, डॉ. मेजर सतीशचंद जैन प्राचार्य शा. गर्ल्स कालेज, डॉ. अशोक कुमार जैन एम.डी. जिला चिकित्सालय, श्री अखिलेश जैन पार्षद नगर पालिका परिषद विदिशा, श्री पी.सी. पंचरत्न रिटायर्ड ई.ई. तत्पश्चात गोलालारीय जैन समाज विदिशा के चुनाव श्री खुशालचंदजी वकील सा. एवं श्री लल्लूलालजी वकील सा. के तत्वावधान में संपन्न हुये। निम्न सदस्यों का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। श्री ए.एल. फणीश, डॉ. मेजर सतीशचंद जैन, श्री सुनील कुमार जैन 'ग्यारसपुर', श्री जिनेश कुमार जैन, श्री राजेन्द्र कुमार जैन, श्री के.के. जैन एवं श्री अभय कुमार जैन सी.ए.। उक्त सदस्य समाज से अन्य सदस्यों का चयन कर कार्यकारिणी का गठन शीघ्र ही करेंगे। आगामी चुनाव के लिए भी वर्तमान चुनाव अधिकारियों को सर्वसम्मिति से मनोनीत किया गया।

श्री दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज ललितपुर का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

ललितपुर, शैलेन्द्र जैन (पिन्टू)। श्री दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज का शपथ ग्रहण समारोह श्री अटा मंदिरजी के पीछे सुखनिधि भवन में संपन्न हुआ। जिसमें समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को चुनाव अधिकारी द्वारा शपथ ग्रहण करायी गयी। चुनाव अधिकारी डॉ. हुकुमचंद्र पवैया ने अध्यक्ष पद पर श्री अरविन्द जैन (एल.आई.सी.), वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री रवीन्द्र मोदी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष श्री मुन्नालाल जैन (एडवोकेट), मंत्री श्री अरविंद जैन (बरौदा), सहमंत्री श्री सुधीर जैन, कोषाध्यक्ष श्री कमल कुमार जैन (सिलगन), ऑडिर श्री धर्मेश्वर जमौरया, राकेश जैन, कार्यालय मंत्री श्री कुलदीप जैन नौहरकलां, सदस्य सर्वश्री संदीप गोरा, सुनील गुदेरा, शैलेष पिंटू, संजय पवैया, मनीष बंडी, हिमांशु, आशीष जैन, वरुण जैन को शपथ दिलायी गयी। इस मौके पर समाज के चौथे स्तंभ के रुप में जाने वाले पत्रकारों को भी याद किया। जागरण के श्री बालकिशन राजपूत व स्वदेश से श्री राजीव दुबे को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज के श्रेष्ठीजनों द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये। जिसमें समाज को संगठित व सच्चे मार्ग पर चलकर समाज व देशहित में कार्य करने की अपील की गई । इस मौके पर संरक्षक मंडल से डॉ. श्रीमती अरुणा जैन, प्राचार्य श्री अजय कुमार जैन, श्री शीलचंद इमलिया, श्री कमल भाग्यशील, श्री अभय जमादार, श्री अजय कैलगुवॉं, श्री सुभाष 'जलनिगम', श्री काशीराम बिलौआ, श्री ज्ञानेन्द्र जैन (नमन), श्री अंकित जैन बंटी, श्री प्रकाश सिरसौद, श्री शीलचंद राख, श्री साकेत जैन, श्री सुनील कैलवास, श्री सौरभ देवरान, श्री चंचल मोदी, श्री अभिषेक एडवोकेट, श्री नीलेश बछौड़ा एवं समाज के कई श्रेष्ठीजन उपस्थित थे।

भव्य दीक्षा समारोह सपन्न - खगेन्द्रसागर बने यतीन्द्रसागर

इन्दौर, श्रीमति अर्चना जैन। माघ शुक्ल अष्टमी दिनांक 10 फरवरी 2011 का दिन गोयल नगर मंदिर, इन्दौर के लिए एक नया इतिहास बन गया। अवसर था क्षु. खगेन्द्रसागरजी के दीक्षा समारोह का। आचार्य श्री योगेन्द्रसागरजी महाराज के दीक्षा गुरु तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मतिसागरजी के 74 वें जन्म दिवस पर शिष्य द्वारा यतीन्द्रसागर के रुप में शिष्य परम्परा का निर्माण करके अनोखा व उत्तम उपहार दिया । शुक्रवार का दिन होने के बावजूद गोयल नगर प्रांगण सुबह 8 बजे से ही खचाखच भर गया। सभी उत्सुक थे मुनि दीक्षा देखने के लिए और देखते ही देखते पहले केशलोच फिर सिर पर बीजोपचार फिर बंधन रुपी आखरी वस्त्र भी खोल दिया और जय हो के उद्घोष से सारा प्रागंण रोमांचित हो गया शायद सभी के मन में भाव थे कि अभी हम दीक्षा लेने में समर्थ नहीं है पर जिसके भाव हुये है उनकी अनुमोदना करके इतना पुण्य कमा लें कि इसी भव या अगले भव में हम भी दीक्षा ले सकें। नवीन मुनि का नाम खगेन्द्रसागर की जगह यतीन्द्रसागर रखा गया। उन्हें संयम का उपकरण पिच्छी अमेरिका के शांतिलाल जैन परिवार ने शुचिता का उपकरण कमंडल श्री निर्मल कुमार जैन परिवार ने तथा ज्ञान का उपकरण शास्त्र डॉ. शशिकला जैन ने भेंट किये। आचार्य श्री योगीन्द्रसागरजी को शास्त्र भेंट करने का लाभ गोलालारीय समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री खुशालचंदजी परिवार को मिला । विशेष अतिथि स्वास्थ्य मंत्री (म.प्र. शासन) श्री महेन्द्र हार्डिया थे । इस इवसर पर इन्दौर समाज के अध्यक्ष श्री कैलाशचंदजी जैन एवं गोलालारीय समाज के अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन, श्रीमती सविता जैन, डॉ. प्रतिभा जैन, श्रीमती अर्चना जैन, अजय जैन, अरविन्द्र जैन, नीति जैन आदि भी मौजूद थे ।

पंजीयन क्रमांक – एआर/आईडीआर/1163

साधारण सभा की सूचना

पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था की 18वीं साधारण सभा समाज के सांस्कृतिक भवन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर पर दिनांक 27 मार्च 2011 को दोपहर 12 बजे रखी गई है। जिसकी सूचना समस्त सदस्यों को यू.पी.सी. द्वारा पृथक से भेजी गई है। डाक प्राप्त न होने की दशा में इसे सूचना मान सभा में उपस्थित होवें। **सभा में केवल सदस्य ही आमंत्रित है।**

अध्यक्ष – विजय कुमार जैन
पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था मर्या., इन्दौर

श्रद्धांजली

सुप्रसिद्ध लेखिका, अनेक जैन–पत्रों के संपादन से जुड़ी, जैन धर्म संस्कृति की प्रभावना में रत डॉ. ज्योति जैन की पूज्या माताजी **श्रीमती चमेलीबाई भंडारी** का देह परिवर्तन हो गया। श्रीमती चमेलीबाई धर्मनिष्ठ सुश्रावक श्री भागचंद भंडारी की धर्मपत्नी थी श्रीमती भंडारी सादा जीवन उच्च विचार की धनी व धर्मनिष्ठा श्राविका थी। वे पूज्य गणेश प्रसाद वर्णी को अपना आदर्श मानती थी। आपके निधन पर अनेक संस्थाओं ने शोक संवेदनायें व्यक्त की, और कहा कि मां के रिक्त स्थान की पूर्ति कभी नहीं हो सकती। गोलालारीय दर्शन के परामर्श प्रमुख उनके दामाद डॉ. कपूरचंद जैन ने उनके व्यक्तित्व, सहृदयता, सामाजिकता एवं धार्मिक संस्कारों की चर्चा की और भावना व्यक्त की कि परिवार उनके बताये मार्ग पर चलेगा और धर्मप्रभावना से अपने कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा। गोलालारीय दर्शन परिवार सादर श्रद्धांजली अर्पित करता है।

जबलपुर समाज की वयोवृद्ध सदस्या **श्रीमति झुनकारी** बहू धर्मपत्नी स्व. श्री फूलचंदजी 'गोहलपुरवालों' का स्वर्गवास हो गया। जबलपुर गोलालारीय समाज व गोलालारीय दर्शन परिवार आपको सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

कानपुर में पंचकल्याण का आयोजन

कानपुर, अनूप जैन। आज से लगभग 24 वर्ष पूर्व समाजजनों के भाव आंनदपुरी में एक मंदिर बनवाने के हुए । उसी वर्ष दशलक्षण पर्व में समाजजनों ने यह प्रण करा कि तीर्थकर महावीर स्वामी का निर्वाण लाडू का अर्पण मंदिर निर्माण कर ही करेगें । सभी श्रावकों की भावना रंग लायी नवरात्रि तक मंदिर का कच्चा फर्श, ईट बिछाकर लकडी की बेदी तख्त के ऊपर रखकर जाली द्वारा चारो तरफ से कवर करके मंदिर जी का रूप दिया गया । दिपावली पर मंदिर जी में हर्षोल्लास पूर्वक निर्वाण लाडू का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके पश्चात समाजजनों ने मुक्त हस्त से दान व सहयोग प्रदान कर मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया ।

1994 में कानपुर में लगभग 100 वर्ष पश्चात आचार्य पुष्पदंतसागर जी का ससंघ चातुर्मास एवं ऐलक पुलकसागर की मुनि दीक्षा भव्यता के साथ सम्पन्न हुई । संपन्न हुये चातुर्मास की चर्चा पूरे भारत में जोर–शोर से हुई । उसके बाद चक्रवर्ती सम्राट आचार्य सन्मतिसागर जी यहां लगभग 3 माह रहे। बाद में आनन्दपुरी में आचार्य सिद्धान्तसागर जी महाराज ससंघ, मुनिश्री भूतबली सागर, मुनिश्री धर्मसागर जी एवं मुनिश्री पुण्यसागर जी के चातुर्मास भव्यता के साथ सम्पन्न हुये। परन्तु पंचकल्याण न होने के कारण समाज के कई सदस्य अतिचिन्तित थे । इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी मंदिर की प्रतिष्ठा नही हो पा रही थी । तो समाज के कई वरिष्ठजन आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के पास गये और बात की । आचार्य श्री ने कहा कि मंदिर के बगल की जगह पर एक नया जिनालय बनाया जाये अत: 2003 में पास की जमीन खरीदकर नये मंदिर का निर्माण प्रारंभ किया गया जो अब पूर्णता की ओर है । नवीन जिनालय की नींव 11 मई 2006 में रखी गयी मंदिर के लिए अष्टधातु की प्रतिमा का नगर प्रवेश 6 दिसम्बर 2006 को हुआ ।

नवीन जिन मंदिर का निर्माण मंदिर के नवीन समिति द्वारा कराया गया है । जिसे श्री महेन्द्रकुमार कटारिया, श्री कमल जैन 'कालिया' डां. अनूप जैन आदि ने बड़ी तत्परता से प्रारम्भ कराया और आज नवीन जिनालय बनकर तैयार है । जिसका पंचकल्याणक संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी के मंगल आर्शीवाद एवं मुनिपुंगव सुधासागरजी के मंगल सानिध्य में 6 से 12 मार्च 2011 को होने जा रहा है ।

पंचकल्याणक महोत्सव के पात्रों का चयन निम्नप्रकार से हुआ जिसमें डा. अनूप जैन (सौधर्म), श्री महेन्द्र जैन कटारिया (महायज्ञ नायक), श्री अनिल जैन 'कमल टेक्सटाइल्स' (कुबेर इन्द्र) श्री कमल जैन कालिया, (ईशान इन्द्र) श्री राम स्वरूप जैन (सनत कुमार इन्द्र) श्री विनोद जैन 'क्रेन' (माहेन्द्र इन्द्र) श्री विवेक जैन (ब्रह्म इन्द्र), श्री गजराज जैन (लान्तवेन्द्र इन्द्र), श्री कमलेश जैन (कपिष्ट इन्द्र), श्री प्रदुम्न जैन (शुकेन्द्र इन्द्र), श्री रोशन लाल पाटनी (ब्रह्मोत्तर इन्द्र), श्री पद्म चन्द जैन 'तेलवाले' (महाशुक्र इन्द्र), श्री प्रकाश चन्द बगड़ा (सतार इन्द्र), श्री विनय जैन (सहतबाहू इन्द्र), श्री भानु प्रकाश जैन पाटनी (आभहेन्द्र इन्द्र) चुने गयें । भगवान के माता–पिता बनने का सौभाग्य श्री शीलचंदजी द्रोपदीबाई को प्राप्त हुआ।

पंचकल्याणक महोत्सव के कार्यालय का उद्घाटन माननीय श्री अनन्त कुमार मिश्रा 'अन्टू भइया' स्वस्थ मंत्री (उत्तर प्रदेश) सरकार के कर कमलों द्वारा हुआ इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ''दान इस प्रकार से दिया जाये जिसका उपयोग सही जगह और अच्छे कार्यो में खर्च हों । मैं कानपुर जैन समाज से ये वादा करता हूँ कि पंचकल्याणक में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जो भी सहयोग होगा उसे मैं अपने प्रयासों से अतिशीघ्र कराने का प्रयास करूंगा ।

आओं मनायें महावीर जयंती

एक और एक ग्यारह की कहावत को चरितार्थ करते हुए सम्रग दिगम्बर जैन समाज के साथ गतवर्ष जिस तरह से समाजजनों ने एकत्रित होकर महावीर जयंती के भव्य चल समारोह में अपनी सहभागिता निभाई थी वह अनुकरणीय व प्रशंसनीय है ।

इन्दौर में गोलालारीय समाज के बैनर तले एकत्रित जन समूह इस अवसर पर अपने–आपको काफी गोरांवित महसूस कर रहा था । सभी सदस्यों के मन में बस एक ही भावना थी कि इस भव्य समारोह में हम मात्र एक दर्शक या भीड का हिस्सा नही वरन एक संगठित समाज के प्रतिनिधी के रूप में उपस्थित होकर समाज के प्रति अपने कर्तव्यो का ईमानदारी पूर्वक निर्वाह कर रहे थे।

अंतिम तीर्थकर भगवान महावीर का निर्वाण हुए लगभग 2600 वर्ष हो गए है प्रतिवर्ष हम उनकी जयंती और निर्वाण दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाते है सिर्फ इस दिन को मनाना मात्र एक प्रथा नही अपितु भगवान महावीर द्वारा दिए उपदेश पर अमल कर उनके द्वारा दिखलाए मार्ग पर चलकर स्वयं को भगवान बनाना यह उद्देश्य होना चाहिए ।

प्राणी मात्र के कल्याण की भावना ही हमें तीर्थकर प्रकृति का बंध कराती है और इसके लिए शुरूआत हमें अपने से, अपने परिवार से, अपने समाज से ही करनी होगी । जब घर के सभी सदस्य एक जुट होकर अच्छे कार्य करते है तो वह परिवार समृद्धि को प्राप्त होता है और जब सभी परिवार एक जुट होकर कार्य करते है तो समाज व देश समृद्धि को प्राप्त करता है वात्सल्य, प्रेम व स्नेह के अभाव में हम एक जुटता के साथ कार्य नही कर सकते । सामाजिक कार्यो में हमें अनेको अवसरों पर प्रेम व स्नेह को प्रदर्शित कर एक दूसरे की भावनाओं को समझकर समाज को एक नया आयाम प्रदान कर सकते है और इसके लिए भगवान महावीर के जन्म दिवस से अच्छा कौन सा दिन हो सकता है अपने समाज के प्रति वात्सल्य दिखाकर एकजुट होने का ।

हमें आशा ही नही पूर्ण विश्वास है कि गोलालारीय समाज का प्रत्येक परिवार आज ही यह प्रण ले लेगा कि 16 अप्रेल 2011 को हम महावीर जयंती के दिन अपने शहर/गांव में आयोजित भव्य शोभायात्रा में निश्चित रूप से अपनी उपस्थिति सम्पूर्ण परिवार के साथ दर्ज करा कर अपने कल्याण के साथ समाज कल्याण दिवस के रूप में मनाएगें ।

''छोटा सा समाज है तो क्या, हम फिर भी नहीं घबरायेगें ।
प्रेम भाव से संगठित हो गए तो, आसमां छू कर दिखायेंगे ।''

(इन्दौर में शोभायात्रा में शामिल होने के लिए समाजजन इतवारिया बाजार में श्री नवीन कुमार पंचरतन के निवास स्थान पर शोभा यात्रा प्रारंभ होने के आधा घंटा पूर्व एकत्रित होकर जुलूस के रूप में आगे बढेगें ।)

ना आग्रह ना आमंत्रण की जरूरत है । आपको समाज की और समाज को आपकी जरूरत है

समाज के गौरव

डॉ. संदीप जैन ने इनोवेशन टूनमेंट जो यू.एस.ए. के वारटन बिजनेस स्कूल डिलाडेलफिया द्वारा प्रायोजित थी, में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में विश्वभर से120 प्रविष्टियां आई थी। उनके प्रोजेक्ट ने एच.पी. (कम्प्यूटर कंपनी) में बारह मिलियन डॉलर के स्टक आउट को बचाया। आप श्रीमती कमलाजी एवं श्री धन्नालालजी जैन (गौरवाले) पूर्व अध्यक्ष – श्री गोलालारीय समाज, भोपाल के सुपुत्र है। गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाईयाँ...

डोंगरगढ़ में आर्यिकाओं का विशाल संघ विराजमान ।

डोंगरगढ़, निर्मल जैन। 105 आर्यिका पूज्य दृढ़मती माताजी अपनी 27 आर्यिकाओं के विशाल संघ के साथ डोंगरगढ़ में भव्य आगमन हुआ । डोंगरगढ़ में दि. जैन समाज के मात्र 20 घरों की छोटी सी समाज है । तीन वर्ष पूर्व 105 आर्यिका अनंत मती माताजी के बीस आर्यिकाओं के संघ का नगर में चातुर्मास सम्पन्न होने के पश्चात समाज का आत्म विश्वास बढ़ा है तथा वर्तमान में दृढ़मती माताजी के संघ की आगवानी कर समाजजन भाव विभोर हो गये ।

दिनांक 13 से 15 फरवरी को आर्यिकाओं का दीक्षान्त समारोह बडी धूम–धाम से सम्पन्न हुआ । जिसमें लगभग सभी आर्यिकाओं के अभिभावक, रिश्तेदार, दुर्ग, राजनंदगांव, डोंगरगांव एवं दूर–दूर से आए श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर पुण्य अर्जित किया ।

श्री दि. जैन चंद्रगिरी तीर्थक्षेत्र का निर्माण आचार्य श्री विद्या सागर जी के दिशा निर्देशन में हो रहा है वर्तमान में एक संत निवास, चैत्यालय, धर्मशाला, विशाल प्रवचन हाल एवं पर्वत पर पांच हजार लोगो के बैठने लायक पक्का मैदान का निर्माण हो चुका है उक्त प्रांगण में आर्चाय श्री की अनुमती से 1008 भगवान श्री चन्द्रप्रभुजी की विशाल खडगासन मूर्ति विराजित करने हेतु श्री बाबूलाल जी जैन (जय श्री आईल मील) दुर्ग ने जिम्मेदारी ली है ।

परम पूज्य 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी के समस्त संघ की भांति आर्यिका कोमल एवं निर्मल भावों से सुशोभित है एवं आगम की क्रियाओं से परिपूर्ण है । ऐसे संघ के समक्ष स्वयं ही हम सभी नतमस्तक हो जाते है।

पन्ना में पंचकल्याणक एवं गजरथ महोत्सव की तैयारियां

पन्ना, अभिषेक जैन। पन्ना नगर के प्राणनायक भगवान चिंतामणी श्री पार्श्वनाथ बड़ा मंदिर धाम पन्ना में आचार्य भगवंत श्री विशुद्ध सागरजी महाराज के सानिध्य में पंच कल्याणक भव्य वेदी प्रतिष्ठा, मानस्तंभ प्रतिष्ठा व कलशारोहण का भव्य आयोजन 18 अप्रैल से होगा।

✲ पन्ना नगर के पास ईटावा ग्राम में उपसर्ग विजेता गणाचार्य श्री 108 विराग सागरजी महाराज के श्रेष्ठरत्न मुनि श्री 108 विनिश्चलसागर महाराजजी के ससंघ सानिध्य में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन बड़े उत्साह व उल्लास के साथ होने जा रहा है।

✲ पन्ना जिले के देवेन्द्र नगर में संत शिरोमणी आचार्य भगवंत विशुद्ध सागरजी महाराज के ससंघ सानिध्य में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव व गजरथ महोत्सव का भव्य शुभारंभ 11 अप्रैल से होने जा रहा है।

विवाह वर्षगांठ की रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ....

सिंघई श्री कैलाशचंदजी–देवी जैन
विश्व परिवार, झांसी

श्री सुखनंदन–किंकीदेवी जैन
अहमदाबाद

माँ

आज इस बात को करीब बीस साल बीत चुके हैं। दोनों बेटियाँ जवान हो गयी। बड़ी की तो आज शादी भी है। कैसे जाऊं, क्या बताऊँ, किससे कहूँ ? जिंदगी एक जंजाल बन गई। भाई भाभी भी फूटी आँख अब नहीं देखते, सब बोझ समझते हैं। पहले वही भाई की मैं लाड़ली बहन थी, अब भाभी लाड़ली बन गई। मैं किनारे पर फेंकी गई मछली के समान बन गई जिसे जल नसीब नहीं, बस तड़पना। अब पति व बेटियाँ दोनों याद आते हैं, क्यों घर छोड़ा ? क्यों माँ की बातों में आ गई ? क्यों अपने सास–ससुर की बातें नहीं मानी ? पति के मान को भी नहीं रखा।

करीब 21 साल पहले मैं शादी करके धामनोद आयी थी। पति शहर में पेट्रोल पंप पर मैनेजर थे, रहना शहर में था इसलिए गाँव से कुछ महीनों बाद मैं शहर चली आई। दो कमरों का छोटा सा मकान, छोटा सा किचन। मैंने अपनी गृहस्थी जमा ली और सुख से रहने लगी। परिवार में बढ़ोत्तरी हुई, बड़ी बेटी जीवन की बगिया में खुशबू बन कर आयी। पारिवारिक जीवन में हुई उतार चढ़ाव चलते ही रहते है। दूसरी बेटी के समय सास–ससुर शहर आ गये। वह बूढ़े सास ससुर अपनी स्नेह की छाया में मुझे रखते और पोतियों पर लाड़–दुलार न्यौछावर करते। वह छोटा घर उनके आने के बाद भी छोटा नहीं लगा दिल सबके बड़े थे, पर यह सुख के दिन अधिक नहीं रह पाये।

एक दिन मेरी माँ घर आयी और बेटी का घर तो उन्हें माचिस की डिब्बियों से भी छोटा लगा, जिसमें इतने सारे लोग पैर फैलाने की जगह नहीं और फिर उस स्वर्ग से घर को नर्क बनते देर नहीं लगी। सास–ससुर ने बहुत समझाया, बेटी अपना घर छोड़कर नहीं जाते, हमारा क्या है, हमने तो अपना जीवन जी लिया। हम वापस गाँव चले जायेंगे तुम अपनी गृहस्थी अपने हाथों मत उजाड़ो, पर मेरी समझ न जाने कहाँ गई थी। मैं अपनी दोनों बेटियों को ले माँ के घर चली आई। पर वहाँ भी मुझे लगा मैं बच्चे क्यों पालू? क्या सिर्फ मेरे है? पति क्यों नहीं पालेगा उसकी भी तो जिम्मेदारी है आदि कितनी ही बातें दिमाग में चलती रही। बच्चे भी रात दिन घर चलने की रट लगाने लगे। दादा–दादी, पापा से दूर रहकर वह खुश नहीं थे।

एक दिन बच्चों के पापा हमें लेने आये पर मैं अभिमानी बन बैठी रही और कह दिया अपने बच्चे लेते जाओ। पापा के आते ही बच्चे खुश, माँ को छोड़ पिता के चारों ओर घूमते रहे, उनकी ही गोद में बैठकर खाना खाया, प्यार दुलार सब कुछ और उससे बड़ी चीज अपने घर जाने की खुशी। मैंने बच्चों को रोकना चाहा तो वे न रुके। तीन साल की छोटी बिटिया भी अपनी माँ को अकेली छोड़ चली गई मैं अभिमानी बनी रही। धीरे–धीरे ये मान पिघलने लगा, जब तक अपनी गलती का एहसास हुआ बहुत देर हो चुकी थी। मुझे महसूस हुआ कि अब घर में मेरी और माँ की किसी को जरुरत नहीं। अब माँ को भी क्या दोष दूँ, जिसने मेरा घर छुड़वाया अब उसी का अपने घर पर ही कोई अधिकार नहीं। जिंदगी बोझ हो गई, मन बहुत हो रहा है जाकर क्षमा माँग लूँ। शायद परिवार के लोग मुझे माफ कर दें। मैं हिम्मत करके मैं वहां गई। सास ससुर ने तो मेरी गलती माफ कर दी, पति ने भी मुझे अपना लिया पर मेरे बच्चों ने मुझे माँ मानने से इंकार कर दिया। उनका कहना था – तुम हमारी माँ नहीं हो सकती।

– **डॉ. मधु जैन,** सहायक प्राध्यापक हिन्दी, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल

हीन भावना को दूर कर व्यक्तित्व निखारें।

हीन भावना (Inferiority Complex) एक मानसिक बीमारी है, और यह हमारे समाज में, अपने आस–पास आसानी से देखने को मिलती है। करीब 100 में से 80 लोग इस रोग से ग्रसित है। जिस भी व्यक्ति में आत्मविश्वास की थोड़ी सी कमी होती है वह इसका शिकार हो जाता है, और यही हीन भावना व्यक्ति के दुःख का कारण बन जाती है।

हीन भावना वर्तमान का सुख नहीं भोगने देती, क्योंकि उसमें भविष्य दिखाई नहीं देता और भूतकाल तो बीत चुका है। इस प्रकार इससे ग्रसित व्यक्ति अपने तीनों कालों को नष्ट कर देता है।

कारण

1. सबसे पहले जन्म से या बाद में शारीरिक या मानसिक रुप से असमर्थ व्यक्ति अगर कुछ करना चाहता है और वो नहीं कर पा रहा है तो वह इस बीमारी से ग्रसित हो जाता है। कई बार बीमार पड़ जाता है।
2. कई बार मनुष्य की आर्थिक स्थिति बदलती है, कभी कम, तो कभी ज्यादा। इससे भी वो हीन भावना से ग्रसित हो जाता है।
3. हर व्यक्ति में कुछ कर दिखाने की अद्भुत शक्ति छुपी है। कुछ लोग एक काम अच्छा कर पाते है तो कुछ दूसरा, लेकिन आजकल दौड़ लगी है सभी माता–पिता अपने बच्चों के पीछे डंडा लेकर पड़े है कि 'पढ़ो–पढ़ो' और जब वो ये नहीं कर पाते तो इसके शिकार हो जाते है।
4. युवा वर्ग अपने साथियों की पढ़ाई, पैसा, उनका रहन–सहन से भी इसके शिकार हो रहे है, जो कि उन्हें अनैतिक कार्य जैसे – नशा, आत्महत्या, झूठ बोलना, चोरी करना की ओर अग्रसर कर रहा है।
5. बहुत से युवा अपने लुक्स से भी परेशान है कोई छोटा, मोटा, लम्बा, दुबला होने पर इसके शिकार हो जाते है।

निवारण

1. इसके निवारण के लिए जरुरी है व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति को पहचाने। उसे मजबूत करे और हिम्मत से अपने कार्य को पूर्ण करें।
2. अगर अपने बच्चों को इस भावना से बचाना है तो ये भावना पैदा ही न होने दें, उन्हें समझाए जो है, जैसा है और जितना है वह अपने लिए अच्छा है और हम अपनी मेहनत से इसे और अच्छा कर लेंगे।
3. माँ बाप को चाहिए कि अपने बच्चों को दूसरो के सामने नीचा न दिखायें। अगर बच्चा गलत है तो कहीं न कहीं आप इसके जिम्मेदार है।
4. बच्चों में सकारात्मक सोच को प्रोत्साहन देना सबसे ज्यादा जरुरी है।
5. पढ़ाई के अलावा बच्चों में कई प्रतिभाएं होती है, उन्हें पहचानकर प्रोत्साहित करना चाहिए।
6. बच्चों को संतोष और शांति की भावना सीखानी चाहिए जो कि धर्म से आती है।

हीन भावना से ग्रसित लोग बहुत से असामाजिक कार्यों में लिप्त हो जाते है – नशा, झूठ, चोरी और आत्महत्या जैसे संगीन कार्य करने लगते है। उन्हें समझना या समझाना चाहिये कि भविष्य को सुधारना है तो वर्तमान सुधारना होगा। मनुष्य को हर हाल में खुश, सुखी रहने के लिए आत्मविश्वास के साथ संतोष धारण करना चाहिए।

'संतोषी धन सदा सुखी'

आलेख– अंजू जैन, मंगलवारा, भोपाल

कविता

"बुरा लगता है"

बुरा लगता है जब सुनते है, बेटा बेटी में अन्तर होता है।
बुरा लगता है जब बेटी का, कोख में कत्ल होता है॥
क्यों कुल दीपक बनकर बैठे है बेटा,
जब कि बेटी भी ज्योति होती है।
21वीं सदी में भी बेटी क्या, माँ बाप पर बोझ होती है॥
वो सब कर सकती बेटी, जो बेटा करता है।
माँ–बाप को बेघर कर देता, बेटा जब बड़ा होता है।
लेकिन न बेटी कर सकती ऐसा, उसमें तो ममता होती है।
जो सह जाती बेटी, वो बेटा सह न पाएगा,
जो बढ़ता रहा ये पाप तो ये संसार,
एक दिन नारी मुक्त हो जाएगा।
न रहेगी ममता, प्रेम, समर्पण ये संसार
जन्नत से जहन्नुम हो जाएगा।
कहो फिर कैसे बढ़ेगी वंश बेल, कैसे बेटा आ पाएगा।

कु. ऋतु जैन,
बरेठ रोड़ गंजबासौदा (म.प्र.)

ईर्ष्या-त्याग

1.ईर्ष्या के विचारों को अपने मन में न आने दो, क्योंकि ईर्ष्या से रहित होना धर्माचरण का एक अंग है।
2.सब प्रकार की ईर्ष्या से रहित स्वभाव के समान दूसरा और कोई बड़ा वरदान नहीं है।
3.जो मनुष्य धन या धर्म की परवाह नहीं करता, वही अपने पड़ोसी की समृद्धि पर डाह करता है।
4.समझदार लोग ईर्ष्या बुद्धि से दूसरों को हानि नही पहुंचाते, क्योंकि उसका जो खोटा परिणाम होता है, उसे वे जानते है।
5.ईर्ष्यालु के लिए ईर्ष्या ही पूरी बला है। उसके बैरी उसे चाहे क्षमा भी कर दे तो भी वह उसका सर्वनाश ही करेगी।
6.जो मनुष्य दूसरों को देते हुए नहीं देख सकता, उसका कुटुम्ब रोटी और कपड़ो तक के लिये मारा मारा फिरेगा और नष्ट हो जावेगा।
7.ईर्ष्या करने वाले के पास लक्ष्मी नही रह सकती, वह उसको अपनी बड़ी बहिन दरिद्रता की देखरेख में छोड़कर चली जायेगी।
8.दुष्टाईर्ष्या दरिद्रता रुपी दावनी को बुलाती है और मनुष्य को नरक के द्वार तक ले जाती है।
9.ईर्ष्या करने वालों की समृद्धि और उदारचित्त पुरुषों की कंगाली ये दोनों ही एक समान आश्चर्यजनक है।
10.न तो ईर्ष्या से कभी कोई फूला–फला है और न उदार हृदय कभी वैभव से हीन रहा है।

संकलन – डॉ. अरुण बिलउआ
बड़ापुरा, ललितपुर

संस्कार

एक चोर ने देखा कि नट एक रस्सी पर चलता है, नाचता है, नीचे छलांग लगाता है। यह देखकर चोर ने नट से कहा यहां इतनी मेहनत करते हो तब कही 5–10 रुपया मिलता है। मेरे साथ चलो वहां इतनी मेहनत में हजारों कमा लोगे। तब नट चोर के साथ चला गया। एक रात को दोनो एक मकान की छत पर चढ़ गये। चोर ने नट से कहा अब यहाँ से मकान के भीतर छलांग मारो जैसे रस्सी पर से कूद जाते हो। नट ने कहा–पहले ढोल बजाओ तभी मैं छलांग मारुंगा। चोर ने सिर ठोक लिया। इसी प्रकार जीव में छल–कपट विषय भोगों के कषाय तथा पापों के संस्कार अनादि से पड़े हुए है जो छूटना बड़ा ही मुश्किल होता है। इसलिये उसको सत्संगति की आवश्यकता होती है। जो हमें धर्म साधना से ही प्राप्त हो पाती है।

– श्रीमती किरण फणीश, न्यू देवास रोड़, इन्दौर

पाठको की कलम से ...

गोलालारीय दर्शन ने समाज के लोगो को एक मंच उपलब्ध कराया है जिनके लिये साधुवाद ! प्रकाशित बायोडाटा के माध्यम से कितने विवाह संपन्न हुए है इसकी जानकारी भी प्रकाशित करें।

– निलेश जैन, अहमदाबाद

गोलालारीय समाज की प्रतिभाओं के लिए यह पत्र सराहनीय कार्य कर रहा है। 21वीं सदी में जहां जातिवाद फैल रहा है वहां अपने समाज को सुदृढ़ व संगठित करना बहुत ही बढ़िया प्रयास है।

– अजित जैन, ग्वालियर

गोलालारीय दर्शन एक अच्छा प्रयास है इसके माध्यम से समाज की गतिविधियों की जानकारी मिलती है। परन्तु प्रकाशन की प्रति समय पर नियत स्थान पर नहीं पहुंचती है। कृपया इसके लिए कुछ कारगार प्रयास करें।

– डॉ. राजेन्द्रप्रसाद जैन, नागपुर

जिस प्रकार शरीर का कोई अंग ठीक से कार्य नही करता है तो वह व्यक्ति कमजोर माना जाता है, उसी तरह हम सकल दि. जैन समाज में अपना सशक्त योगदान देने के लिए हम अपने समाज को सुदृढ़ व संगठित करने का प्रयास कर रहे हैं। किसी भी अन्य समाज से प्रतिस्पर्धा की भावना हममें नही है, हम गोलालारीय समाज को सुदृढ़ कर समग्र समाज का अभिन्न अंग बनाने में प्रयासरत है।

– सुधेश कुमार जैन, इन्दौर

गोलालारीय दर्शन पत्रिका प्राप्त हुई। इसका नियमित प्रकाशन समाज के हित में एक अनुकरणीय कदम है इस पत्रिका के माध्यम से समाज के सदस्यों को एक दूसरे से जोड़ने के लिए यह एक सेतु का कार्य कर रहा है। विवाह योग्य प्रत्याशियों के बायोडाटा का प्रकाशन कर समाज के समस्त परिवारों को एक ही स्थान पर संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करा रहा है। आशा है यह प्रयास सतत जारी रहेगा। – महेन्द्र जैन, ललितपुर

फार्म भेजने की अंतिम तिथि – 30 जून 2011

॥ श्री पार्श्वनाथाय नमः ॥

गोलालारीय दर्शन – जनगणना फार्म 2011

फार्म भेजने का स्थान – ''गोलालारीय दर्शन''

श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, ''सांस्कृतिक भवन'', 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर

मुखिया की व्यक्तिगत जानकारी

नाम .... पिता का नाम ....

पता ....
....

फोन नं. .... मोबाइल ....

मुखिया की व्यावसायिक जानकारी

प्रतिष्ठान/संस्थान/विभाग का नाम ....
....

पता ....

फोन नं. .... मोबाइल ....

मूल निवासी
....

स्वयं का गोत्र
....

क्रं.	मुखिया एवं परिवार के अन्य सदस्यों के नाम	मुखिया से संबंध	जन्म तिथि	रक्त समूह	शैक्षणिक योग्यता	व्यवसाय/ विद्यार्थी	मासिक आय	विवाहित / अ.वि.	विवाह दिनांक	मोबाइल नंबर / ईमेल पता	विशेष जानकारी
1.		स्वयं									
2.											
3.											
4.											
5.											
6.											
7.											
8.											
9.											

महत्वपूर्ण जानकारियां जिन्हें अवश्य भरें

मकान (✓ टीक करें) स्वयं ☐ किराये से ☐

व्यापार (वार्षिक टर्नओवर) (✓ टीक करें)
1 करोड़ से ऊपर ☐
50 लाख से 1 करोड़ ☐
25 लाख से 50 लाख ☐
5 लाख से 25 लाख ☐
5 लाख तक ☐

वाहन जानकारी (अंको में लिखें)
स्कूटर/बाईक ☐ तीन पहिया ☐
चार पहिया ☐ अन्य ☐

प्रोफेशन की जानकारी (अंको में लिखें)
डॉक्टर ☐ इंजीनियर ☐
प्रोफेसर ☐ सी.ए./सी.एस. ☐
एम.बी.ए. ☐ प्रबंधक ☐
बी.फार्मा ☐ एम.फार्मा ☐
शिक्षक ☐ निज व्यापार ☐
परिवार में निःशक्तजन की संख्या ☐

सामाजिक कार्यों में रुचि है तो आपका नाम ________
फोन नं. ________

सामाजिक/धार्मिक संस्थाओं से जुड़े है तो आपका
नाम ________
पद ________
फोन नं. ________

यदि आपके द्वारा पूर्व में भी फार्म भरा है तो भी आप अनिवार्य रुप से इसे अवश्य भरकर पहुंचाने का कष्ट करें । क्योंकि इसमें कई आवश्यक जानकारियां समाहित की गई है।

स्थानीय समाज के अध्यक्ष एवं सचिव के अतिरिक्त निम्न क्षेत्रीय प्रभारी से संपर्क कर फार्म प्राप्त एवं जमा करवाए जा सकते है। (अहमदाबाद) : श्री हीरालालजी 9974752288, श्री श्रेयांसजी 94256544317, **(भोपाल)**: इंजी. धन्नालालजी 9425080510, श्री नरेन्द्रजी 9893678411, **(गंजबासौदा)**: श्री नेमीचंदजी 9425150286, श्री शांतिकुमारजी 9425149105 **(इन्दौर)** : श्री कोमलचंदजी 9329524227, श्री बाहुबलीजी 9425903301 **(जबलपुर)** : श्री अरविन्द्रजी 9827393509, डॉ. सुनीलजी 9009137213 **(ललितपुर)**: श्री अरविन्द्रजी 9450034715, श्री अरविन्द बरोद 9450037176 **(नागपुर)** : श्री मदनलालजी 9823054589, राजेशजी 9823919761 **उत्तर क्षेत्र : श्री कैलाशचंदजी (ललितपुर) 9425276687 (झांसी)** :श्री प्रवीणजी 94550071632, श्री राजेशजी 9415031709 **(ग्वालियर)** : श्री नेमीचंदजी 2324409, श्री राजमलजी 9425364407 **(ललितपुर)**: डॉ. अरुणजी 9452879208, श्री शैलेशजी (पिन्टू) 9795211740, श्री राकेशजी 9336287921 **(टीकमगढ़)** : श्री सुभाषचंदजी 9981432333, श्री रविन्द्र पृथ्वीपुर 233470, **(भिंड)** : श्री राजकुमारजी 9425130917. **(दिल्ली)** : श्री कमलकुमारजी 9818028572 **दक्षिण क्षेत्र : श्री आनंदकुमार (हैदराबाद) 27562150. (झारसुगुड़ा, उडीसा)** : श्री दिनेशजी 9437198222, **पूर्व क्षेत्र : श्री अरविन्द्रजी (कानपुर) 9839456463, (कानपुर)**: श्री संजयजी 9336122952, श्री आमोदजी 9415051789 **पश्चिम क्षेत्र : श्री सत्येन्द्रजी (अहमदाबाद)9099013660. (अहमदाबाद)** : श्री संजीव जी 9427599887, श्री आनंद पी. जैन 9898301311, श्री सुनील एन. जैन 9426037460, ब्रजेश डी. जैन 9925121727, प्रदीप पी. जैन 9898665813, श्री संजय पंचरत्न 9327045037, श्री सुरेन्द्र कुमारजी 9427302587, श्री हरकभाई जैन 9601800898 **(नागपुर)** : श्री अरविंदकुमारजी तुमसर 9890266500 **मध्य क्षेत्र : श्री शांतिकुमारजी (गंजबासौदा) 9425149105 (भोपाल)** : श्री प्रदीपजी (एल.आई.सी.) 9826011191, श्री शिखरचंदजी 9826802557. **(बीना)** : श्री संजयजी (एल.आई.सी.)9981430113, श्री सनतजी 9893480659. **(बिलासपुर)** : श्री प्रकाशचंदजी 9425548069. **(अकलतरा)** : श्री सुनीलजी 9425165587, **(छिन्दवाड़ा)** : श्री राजकुमार 245519. **(देवेन्द्रनगर)** : डॉ. प्रमोदजी 9525168305. **(देवास)** : श्री नवनीतजी 942543558. **(होशंगाबाद)** : श्री आशीषजी 9329541348. **(गंजबासौदा)** : श्री पवनजी (प्रेस) 9827540526, श्री विशालजी (छोटू) 9827585404. **(इन्दौर)** : श्री विजयकुमारजी 9303225526, श्री अशोककुमार 9893356252. **(जबलपुर)** : श्री अरविन्द्रजी 9407821153, श्री रविन्द्रजी 9425801017, श्री राजीवजी (डिंडोरी) 9425417450 **(खंडवा/खरगोन)**: श्री सुरेन्द्रजी 9826944105. **(पन्ना)** : श्री अभिषेकजी 9630087872, श्री मनोजजी (ब्रजपुर) 9753484027. **(रायपुर)**: श्री नरेन्द्रकुमारजी 9826426006. **(रायसेन)** : श्री दीपचंद्रजी 222487, श्री ऋषभजी (ओबेदुल्लागंज) 9300367074 **(सतना)** : श्री विकासजी 9425884181. **(शहडोल)** : डॉ. राजेन्द्रजी (बुढ़ार) 9425362709 **(सागर)** : श्री राकेश जौहरी 9826544288, श्री प्रदीपजी (खुरई) 9425452478. **(शिवपुरी)** : श्री प्रमोदजी 9425765630. **(उज्जैन)** : श्री संतोषजी 2553641, श्री आलोकजी 9826021234. **(विदिशा)** : श्री कन्छेदीलालजी 9977696623

नोट – आपकी जानकारी में अन्य गोलालारीय परिवारों की जानकारी के लिये इस प्रारुप की फोटोकॉपी कराकर हमारे कार्यालय 64 न्यू देवास रोड़, इन्दौर भेज सकते है ।

सिद्धक्षेत्र पवाजी मेले में नवीनता प्रदान करने हेतु विनम्र अपील

हमारी गोलालारीय समाज अन्य कई समाजों से कही अच्छी प्रतीत होती है। वैसे तो प्रत्येक समाज दिखाए वही समाज श्रेष्ठ है। सर्वप्रथम हमें अपनी होगा। सिद्ध क्षेत्र पावाजी के मेले में जाने का अवसर प्रप्त महसूस हुआ कि हमें अपनें विचारों व मान्यताओं को बहुत छोटी है फिर भी हमारी मान्यताएं दुसरी समाज से अपने को सर्वोपरि कहता है किन्तु जो समाज कुछ कर संकुचित व असहयोग की मानसिकता को बदलना हुआ वहाॅ की व्यवस्था और स्वजनों से परिचय पश्चात वर्तमान युग के साथ बदलना होगा। वरिष्ठ समाजजन आगे अकर मेले के स्वरुप में कुछ नवीनता लाने पर विचार करे तो यह मेला हमारे समाज के काफी उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

व्यवस्थापकों से सहयोग प्राप्त कर विवाह योग्य बच्चों की जानकारी या उनके परिवार वालों के मिलने के लिए एक निश्चित स्थान और समय निर्धारित कर दिया जावे तो मेले की उपयोगिता और भी बढ़ जावेगी क्योंकि यह मेला विवाह संबंधों के लिए कई वर्षो से काफी प्रसिद्ध है और इसकी इसी उपयोगिता को बनाए रखने के लिए हमें निम्न बिन्दुओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए ।

❊ सन 2011 के मेले में आप अवश्य आये, हो सके तो विवाह योग्य प्रत्याशी को साथ में लावे ।

❊ एक दूसरे से मिलकर, आपस में दिल जीते, लड़के तथा लड़की की एक दूसरे को पसंद आने पर तुरन्त ही संबंध जोड़ने की व्यवस्था करें ।

❊ अपने रिश्तेदारों एवं परिचितों का सम्मान केवल श्रीफल (नारियल) देकर ही करवायें।

❊ लड़की के मां–बाप की ओर से केवल जो गृहस्थी का सामान देवें, उसे सहर्ष स्वीकार करें।

❊ सिद्ध क्षेत्र पर विवाह की बात पक्की हो जावें, इससे बढ़िया उपहार क्या हो सकता है?

❊ यदि आप कुंडली मिलान के इच्छुक हैं तो पहले मिलान करावें उसके पश्चात ही आगे बढ़े।

❊ परिवार की भावनाओं का स्वागत करते हुए लड़के एवं लड़की को संक्षिप्त पूछताछ करने देवें।

संभवत कुछ विचारों से आप सहमत न हो, परन्तु मेरा ऐसा मानना है कि यदि इस बारे में समाज के वरिष्ठजन व मेला व्यवस्था समिति के सदस्य योजना पूर्वक कार्य करे तो निश्चित ही समाज में विवाह संबंधों की जानकारी के लिए सिद्ध क्षेत्र पवाजी का मेला सर्वोत्तम स्थान के रुप सदा याद रखा जावेगा व भविष्य में आने वीली पीढ़ियां (युवा वर्ग) भी यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर इस परम्परा को जीवित रखेगी ।

खुले दिल से प्यार दो, एक दूसरे को समझो तुम ।।
निश्चित कार्य बनेगा, कभी नही पछताओगे तुम ।।

–प्रेमचंद जैन, रोहितनगर भोपाल

निवेदन

यदि आपके परिवार के किसी भी सदस्य ने शिक्षा/खेल/व्यवसाय या अन्य किसी भी क्षेत्र में कोई विशेष उपलब्धि हासिल की है तो उसका विवरण मय फोटो के भेजने का कष्ट करें, ताकि हमारे कॉलम ''**समाज के गौरव**'' में उन्हें उचित स्थान दिया जा सकें ।

यदि आपके परिवार का कोई भी सदस्य देश/विदेश में निवासरत् है तो उसकी जानकारी पृथक से (जनगणना प्रारुप की फोटोकॉपी) प्रेषित करें ताकिं **उन्हें भी समाज की जानकारी ईमेल** पर दी जा सकें ।

आप भी गोलालारीय दर्शन के क्षेत्रीय प्रतिनिधि बन सकते है – यदि आपकी रुचि सामाजिक कार्यों में है और आपके मन में गोलालारीय समाज को संगठित एवं सुदृढ़ बनाने की चाह है तो आप गोलालारीय समाज के प्रथम मुखपत्र ''गोलालारीय दर्शन'' में स्थानीय प्रतिनिधि के रुप में कार्य करते हुए अपने क्षेत्र में निवासरत परिवारों को जोड़ सकते है । क्षेत्रीय प्रतिनिधि के लिये आपको अपना नवीन फोटो (पासपोर्ट साईज) एवं अपना संपूर्ण विवरण मय पता एवं फोन नं. सहित शीघ्र भेजे ताकि आप और हम साथ मिलकर समाज को संगठित करने के लिए दो कदम बढ़ा सके ।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक	– 21000/–	(आजीवन)
परम संरक्षक	– 11000/–	(आजीवन)
संरक्षक	– 5000/–	(आजीवन)
विशेष सहयोगी	– 2000/–	(आजीवन)
आजीवन शुल्क	– 1000/–	(आजीवन)
द्विवार्षिक शुल्क	– 100/–	(2 वर्ष)

विज्ञापन शुल्क

अंतिम फुल पेज	3000/–
1/2 पेज	2000/–
1/4 पेज	1000/–
कॉलम	200/–
बॉयोडाटा/बधाई फोटो सहित	100/–
शोक संदेश फोटो सहित	100/–

अखिल भारतीय गोलालारीय समाज का विधिवत पंजीयन !

गोलालारीय समाज की राष्ट्रीय समिति के सचिव डॉ. सुधीर जैन ने बताया कि अखिल भारतीय स्तर पर गोलालारीय समाज की समिति का पंजीयन दिनांक 25/11/10 को **'श्री दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज समिति'** के नाम से हो गया है। संगठन की कार्यवाही को सुदृढ़ और क्रियाशील बनाने के लिये जिले अनुसार समितियों के गठन के लिये योजना बनाई जा रही है।

आगामी अंक में –

हमारे समाज के अनेको ख्यातिप्राप्त व्यक्तित्व है जिनका स्मरण करना हमारा कर्त्तव्य है, इस श्रृंखला में हम सर्वप्रथम श्री गणेशप्रसाद वर्णी की धर्ममाता **श्रीमति चिरोंजाबाई** के जीवन की कुछ यादों को संजोयेंगे।

आपके पास भी यदि समाज के ऐसे व्यक्तित्वों की जानकारियां है जिन्होंने धर्म एवं समाज के लिए अपना योगदान दिया है तो वे समस्त जानकारियां हमे सचित्र भेजें ताकि उनका प्रकाशन कर हम समाज को उनके व्यक्तित्व से परिचित करा सके और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट कर सकें।

अनुरोध – 16 अप्रैल को महावीर जंयती के अवसर पर आपके नगर में आयोजित कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी व किसी भी धार्मिक, सामाजिक कार्यों में गोलालारीय समाज सदस्यों की सहभागिता है तो वह खबर हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। ऐसी खबरों की सचित्र जानकारी हमे PDF / JPEG के साथ ई–मेल करें ।

श्री सम्मेदशिखरजी सायकल यात्रा

श्री आदिनाथ दि. जैन युवक मंडल अहमदाबाद के अंतर्गत अहमदाबाद से सम्मेदशिखरजी तक सायकल यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में तीन सदस्यों ने भाग लिया श्री शंकरलाल ब्रजलाल जैन, श्री ख्यालिलाल धूलचंद जैन एवं श्री श्रीचंद गिलौंजीलाल जैन । तीन सदस्यों का यह दल 25 फरवरी को अहमदाबाद से रवाना हुआ । मार्ग में अनेकों तीर्थ स्थलों का दर्शन करते हुए 28 फरवरी को शाम 4.30 बजे गोम्मटगिरी पहुंचा । गोलालारीय समाज के कई सदस्यों द्वारा उनका स्वागत किया गया। समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी जैन, संरक्षक श्री राजेन्द्र कुमार जैन सायकलवाले, सचिव श्री बाहुबली जैन, श्री विजय कुमार रामचंद्र नगर एवं श्री नरेन्द्र कुमार जैन द्वारा हार फूल से स्वागत किया। गोम्मटगिरी क्षेत्र पर विराजमान 108 तरुण सागरजी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर दल 1 मार्च को शिखरजी की ओर बढ़ गया।

बधाईयाँ.....

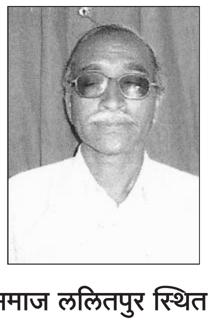

आपके द्वारा दि. जैन समाज ललितपुर स्थित गौशाला में संपन्न पंचकल्याणक में मूर्ति विराजमान करने पर गोलालारीय दर्शन की ओर से हार्दिक बधाईयां।

श्री त्रिलोकचंद–किरण जैन, ललितपुरकरगुआं, झांसी में संपन्न पंचकल्याणक में भगवान के माता–पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त होने गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर पर हार्दिक बधाई।

गोलालारीय दर्शन के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा फार्म - 4 (नियम 8)

1. प्रकाशक स्थल	127, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर
2. प्रकाशन अवधि	मासिक
3. मुद्रक का नाम	बाहुबली जैन
क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
4. प्रकाशक का नाम	बाहुबली जैन
क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
5. संपादक का नाम	राजेन्द्र कुमार जैन
क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
पता	16, महारानी रोड़, इन्दौर
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर

मैं बाहुबली जैन एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
बाहुबली जैन
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

10 मार्च 2011

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम
3. स्वयं / मामा का गोत्र
4. जन्म दिनांक
5. जन्म समय
6. जन्म स्थान
7. शिक्षा
8. कद
9. वर्ण
10. व्यवसाय
11. वार्षिक आय
12. कुंडली मिलान
13. मंगली
14. पत्र व्यवहार का पता
15. फोन / मोबाईल नं.

---

1. 1061
2. राहुल सनतकुमार जैन
3. पंचरत्न / लांगुर
4. 08.09.86
5. 4.30 AM
6. अहमदाबाद
7. इलोक इंजी (डिप्लोमा)
8. 5'6''
9. गोरा
10. सर्विस, अहमदाबाद
11. 1.20 लाख
12. हाँ
13. नही
14. 53, विमलपार्क सोसायटी गौरी सिनेमा के पीछे, अहमदाबाद–15
15. 09998328245

---

1. 1062
2. नीलेश सनतकुमार जैन
3. पंचरत्न / लांगुर
4. 17.09.78
5. 16.00 AM
6. अहमदाबाद
7. बी.एस.सी.
8. 5'7''
9. गेहुआ
10. सर्विस, अहमदाबाद
11. 1.80 लाख
12. हाँ
13. हाँ (तलाकशुदा)
14. 53, विमलपार्क सोसायटी गौरी सिनेमा के पीछे, अहमदाबाद–15
15. 09427526470

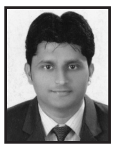

1. 1091
2. चेतन वीरेन्द्र कुमार जैन
3. पंचरत्न / बिलोआ
4. 06.03.84
5. 6.45
6. इन्दौर
7. एम.कॉम, एम.बी.ए.
8. 5'6''
9. गेहूँआ
10. प्रोफेसर भिलाई
11. 2.10 लाख
12. –
13. –
14. 184, गोपुर कॉलोनी, सुदामा नगर के पास, इन्दौर
15. 09827043270, 9685160860

---

1. 1092
2. नीलेश निर्मल कुमार जैन
3. पटवारी
4. 10.05.86
5. 12.00 पी.एम.
6. –
7. बी.ए., बी.एड.
8. 5'0''
9. गोरा
10. व्यापार
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. क्लाथ मर्चेन्ट, हरपालपुर जिला – छत्तरपुर
15. 07685–261388 9424922318

---

1. 1093
2. मनीष कुमार जैन
3. म्याने / गुडारे
4. 20.01.80
5. 24
6. झांसी
7. एल.एल.बी.
8. 5'6''
9. गोरा
10. एडवोकेट हाईकोर्ट
11. 2.40 लाख
12. –
13. हाँ
14. 587, सावित्री भवन, नया ममफोर्डगंज, इलाहबाद
15. 9936638068

---

1. 1094
2. शशाक फूलचंद जैन
3. पटवारी/बिलौआ
4. 11.08.82
5. 16.00
6. झांसी
7. बी.ई.एस.टी. एमबीए (फायनेंस)
8. 5'11''
9. गेहूँआ
10. शेयर ब्रोकर
11. 2.00 लाख
12. हाँ
13. नही
14. किरण भवन, मयूर विहार कॉलोनी, मेडिकल कॉलेज गेट नं. 2 के सामने, झांसी
15. 09793907189

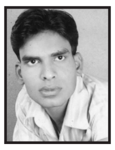

1. 1095
2. दीपक सूरजमल जैन
3. वैद्य / कणीश
4. 26.10.85
5. 02.00
6. इन्दौर
7. बी.कॉम
8. 5'10''
9. गेहूँआ
10. व्यवसाय
11. 2.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 33/3, जूनी इन्दौर, मुराई मोहल्ला, इन्दौर
15. 09425058636, 9424013136

---

1. 1096
2. अर्पित अभय कुमार जैन
3. फणीश/पटवारी
4. 24.11.83
5. 13.00
6. गंजबासौदा
7. एम.बी.ए.
8. 5'6''
9. गेहुआ
10. व्यवसाय
11. 2.50 लाख
12. हाँ
13. –
14. सुभाष चौक, नानाजी वाली गली, वार्ड नं.3, गंजबासौदा
15. 09926674505, 9713699441

---

1. 1097
2. प्रियम विलास कुमार जैन
3. फणीश/वैद्य
4. 12.02.88
5. 7.35
6. –
7. बी.एस.सी.
8. 5'3''
9. –
10. मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव
11. –
12. –
13. –
14. 30/4, परदेशीपुरा, इन्दौर
15. 09827309259,07459222243

---

1. 041
2. अलका बालचंद जैन
3. फणीस/पटवारी
4. 30.10.79
5. –
6. झांसी
7. एम.बी.ए.
8. 5'2''
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. बी–9, मनू अपार्टमेन्ट, 27 नार्थ सिविल लाईन, जबलपुर
15. 00761–2623052, 9425865119

---

1. 1098
2. ऋषि राज स्व. श्री श्रीनंदन जैन
3. वैद्य/पंचरत्न
4. 01/07/80
5. 23.35
6. विदिशा
7. एम.सी.ए.
8. 5'8''
9. गोरा
10. मस्टेक लि. मुंबई
11. –
12. हाँ
13. –
14. राजश्री, 75 बी.टी. आई रोड़, शेरपुरा, विदिशा
15. 075992–250450 9425463036

---

1. 042
2. रविश्री स्व. श्री श्रीनंदन जैन
3. वैद्य / पंचरत्न
4. 13.03.83
5. 8.10
6. विदिशा
7. एम.सी.ए.
8. 5'1''
9. गोरा
10. प्रोफेसर, विदिशा
11. –
12. हाँ
13. –
14. राजश्री, 75 बी.टी. आई रोड़, शेरपुरा, विदिशा
15. 075992–250450 9425463036

---

1. 043
2. बिनी राजाबाबू जैन
3. चड़ारस/पंचरत्न
4. 26.09.82
5. 19.53
6. पन्ना
7. एम.बी.ए.
8. 5'2''
9. गोरा
10. सर्विस, मुम्बई
11. 6.00 लाख
12. –
13. हाँ
14. जय भगवान, स्टेट बैंक कॉलोनी, रीवा रोड़, सतना
15. 7672227031/9425887787

---

1. 044
2. अनिता संतोष कुमार जैन
3. किरोरी/
4. 10.09.85
5. 22.00
6. करेरा
7. एम.बी.ए.
8. 5'2''
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. बी–33, अजय टेनामेंट–2, ईश्वरकृपा सोसायटी, अहमदाबाद
15. 09377381217

---

1. 045
2. अमिता स्व.श्री अनिल जैन
3. जमोरिया/दिवाकिर्ती
4. 02.10.84
5. 17.49
6. –
7. बी.कॉम
8. 5'1''
9. गोरा
10. –
11. –
12. हाँ
13. –
14. 11/15, विजय नगर, इन्दौर
15. 0731–6540117 9827355722

---

1. 1200
2. सुमित जिनेन्द्र कुमार जैन
3. बिलौआ/पटवारी
4. 19.02.85
5. 20.30
6. इन्दौर
7. बी.कॉम.
8. 5'5''
9. गौरा
10. प्रिंटिंग व्यवसाय
11. 2.50 लाख
12. नहीं
13. –
14. 356/9, तिलकनगर, इन्दौर
15. 9425060975, 0731–2498552

---

1. 033
2. श्रृंखला लालचंद जैन
3. भंडारी/फणीश
4. 11.11.86
5. 20.35
6. झांसी
7. एम.ए., बी.एड.
8. 5'2''
9. गेंहुआ
10. –
11. –
12. हाँ
13. –
14. रिसाला मंदिर के पास, आजादपुरा ललितपुर
15. 05176–291648, 9415586522

---

1. 1201
2. आभास अभय जैन
3. पटवारी /
4. 29.04.85
5. –
6. इन्दौर
7. बी.ई., एम.बी.ए.
8. 5'8''
9. गोरा
10. सीनियर इंजी. विप्रो, मुंबई
11. 6.00
12. –
13. –
14. बी–2–13, वसुंधरा अपार्ट., एस.वी.रोड़ बोरीवली (वेस्ट), मुंबई–92
15. 09220988548

---

1. 1067
2. भूपेन्द्र मक्खनलाल जैन
3. लांगुर/पंचरत्न
4. 24.03.84
5. 22.30
6. अहमदाबाद
7. बी.कॉम.
8. 5'4''
9. गेंहुआ
10. नौकरी, इन्दौर
11. 1.30 लाख
12. हाँ
13. –
14. ई–75, III, लवकुश आवास विहार, सुखलिया, इन्दौर
15. 0731–4204279, 9827563010

प्राप्त बॉयोडाटा को प्रकाशित करने में हम पूरी सावधानी रखतें हैं, जिन प्रत्याशियों का संबंध हो गया है उनके अभिभावकों से सादर निवेदन है कि वे संबंध की सूचना हमें प्रेषित करें ताकि **''गोलालारीय दर्शन''** के माध्यम से नवदंपत्ति को बधाई संदेश (मय फोटो) प्रेषित किया जा सकें। यदि आप बॉयोडाटा का पून: प्रकाशन चाहतें है तो निर्धारित शुल्क एवं उपरोक्त प्रारुप के साथ गोलालारीय दर्शन कार्यालय पर भेंज सकते हैं।

बायोडाटा के प्रकाशन में यदि कोई त्रुटि रह गई हो तो संयोजकद्वय को सूचित करें ताकि आगामी अंक में संशोधन के साथ निशुल्क प्रकाशन किया जा सके।

सेहत

गठिया यानी आर्थराइटिस में क्या खाएं और क्या न खाएं

आर्थराइटिस यानी गठिया एक बेहद तकलीफ देने वाली बीमारी हैं। महिलाओं में यह बीमारी ज्यादा पाई जाती हैं। मेनोपॉज के बाद तो यह और अधिक बढ़ जाती है, लेकिन खानपान में विशेष सावधानी से इससे काफी हद तक निजात पाया जा सकता हैं। आर्थराइटिस पेशेंट के लिए एक–एक कदम चलना और उठना–बैठना मुश्किल होता हैं। ऐसे में अगर आर्थराइटिस पेशेंट प्रॉपर डाइट लें तो काफी हद तक उन्हें दर्द से आराम मिल सकता हैं।

क्या खाए : आर्थराटिस पेशेंट के लिए सबसे जरुरी होता है संतुलित आहार, जिसमें विटामिन्स और मिनरल्स भी शामिल होने चाहिए। अखरोट, सोयाबीन और इसका तेल प्रयोग में लाया जाना चाहिए। ● विटामिन–सी के लिए फलों मसलन–नींबू, आंवला और संतरे का प्रयोग करें। ● विटामिन–ए के लिए गाजर और हरी पत्तीदार सब्जियाँ खानी चाहिए। ● अधिक तला हुआ खाना खाने की बजाय भुना या फिर उबला खाना अधिक खाना चाहिए। ● खाने में अनाज, चावल, सब्जियों की मात्रा बढ़ा दें। ● पानी अधिक पीना चाहिए, क्योंकि पानी की कमी से डिहाइड्रेशन होता है, जिससे दर्द बढ़ता है। ● गठिया के मरीज को प्रतिदिन 500 मिलीग्राम या इससे अधिक कैल्शियम लेना चाहिए।

क्या न खाएं : आर्थराइटिस के पेशेंट को टमाटर, आलू, तम्बाकू और कालीमिर्च के सेवन से बचना चाहिए। ● चाय और कॉफी भी आर्थराइटिस पेशेंट को नुकसान पहुंचाते हैं। ● प्रोसेस्ड फूड न खाएं। यानी बाजार में बिकने वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ आपकी परेशानी बढ़ा सकते हैं। ● किसी भी तरह का फैट नहीं खाना चाहिए, अन्यथा दर्द बढ़ सकता हैं।

– सपना अंचल जैन, इतवारिया बाजार, इन्दौर

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रतिक्षा ग्राफिक्स 127, जेल रोड़ इन्दौर से मुद्रित एवं श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित